





# ऑपरेशन सिंदूर : पीएम मोदी ने विपक्ष के हर बार को किया नाकाम

## ■ पीएम मोदी ने लोकसभा में लिखी मां भारती की शौर्य गाथा ■ एक वाक्य बोल कर ही चलाया ऐसा ब्रह्मास्त्र कि विपक्ष हो गया बेनकाब

संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की शौर्यगत्या को जिन अक्षरों में लिखा, उससे न केवल उनकी नेतृत्व क्षमता एक बार फिर प्रमाणित हुई, बल्कि विश्वगूरु बनने की गत पर लगातार आगे बढ़ रहे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की इच्छास्वित को दुनिया ने देखा-सुना। पीएम मोदी ने अपने संघोंगत की शुश्रावात में जैसे ही कहा, 'मैं भारत का पक्ष रखने के लिए खड़ा हुआ हूं', पूरे विपक्ष को जैसे सापं सूंग गया। इन वाक्य ने जैसे ब्रह्मास्त्र



राकेश सिंह

'ऑपरेशन सिंदूर' पर लोकसभा में दो दिन तक हुई चर्चा के समाप्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब जवाब देने के लिए खड़े हुए, तो शावक विपक्ष को भी यह अंदराजा भी नहीं रहा होता कि प्रधानमंत्री को विपक्ष को इस कदर एक-विटु फिर पर इतना करारा पलटवार करेंगे। उनके भाषण में तथ्य था, आक्रमकता थी, विपक्ष पर बार दिया उन्होंने कहा कि हालत यह है कि आज तक पाकिस्तान के लिए खड़ा हुआ हूं। प्रधानमंत्री ने बताया कि हालत यह है कि आज तक पाकिस्तान के लिए खड़ा हुआ हूं। प्रधानमंत्री को यह अंदराजा भी नहीं रहा होता कि प्रधानमंत्री को विपक्ष को इस कदर एक-विटु फिर पर इतना करारा पलटवार करेंगे।

प्रधानमंत्री ने एक और बात साफ कर दी कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है और अगर पाकिस्तान ने देवारा दुस्साहस किया, तो उसे करारा जवाब मिलेगा। विदेश नीति के मसले पर लोकसभा में चर्चा के दैरान तमाम विपक्षी नेताओं ने सवाल किया और पूछा कि आखिरकार संघर्ष किसके दबाव में हुआ। प्रधानमंत्री ने सख्त लहजे में बता दिया कि भारत को उन्होंने अमेरिकी उप राष्ट्रपति को साफ कह दिया था कि अगर पाकिस्तान का हमले को भारत को हिंसा की आग में झोकने की सुविचारित प्रवास करार दिया और

उन्होंने देश को बताया कि शावक नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपनी बात विस्तार से रखते, उससे पहले ही उन्होंने यह बता दिया कि लोकसभा में उनका यह बयान उन लोगों को आइना दिखाने का प्रयास की जाती है। उन्होंने पहलगाम हमले को भारत को हिंसा की आग में झोकने की सुविचारित प्रवास करार दिया और

उन्होंने देश को बताया कि शावक नहीं है।







# संपादकीय

## ऑपरेशन सिंदूर पर बहस

सं सद में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई लंबी बातचीत न केवल स्थान, साथक और जीवन रही बल्कि इसे सत्तापन और विषय दोनों को उनके बेतर रहने में देख के समने रखा।

खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह स्पष्ट घोषणा सामने आयी कि 'दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा' जिससे वह अस्पृश्य दूर हो गया, जो इस दूरे को लेकर बनी हुई थी। वही नहीं, प्रधानमंत्री ने अतांकवाही के खिलाफ भारत की नीति और ऑपरेशन सिंदूर को संदेशः पीएम मोदी का जवाब केवल विषय के लिए नहीं था। यह सतावल पूरे देश के परेशन कर रहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के व्यापार रोकने की धमकी देकर सीजफायर करने के दावों में कितनी सच्चाई है।

हालांकि विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले भी ट्रंप के दावों को नकार चुके हैं, लेकिन सकारात्मक के मुख्यांश की तरफ से आया जवाब पूरी दुनिया के लिए संदेश है कि भारत ऐसे फैसले किसी के दबाव में नहीं लेता।

संघर्ष के साथ शक्ति: पाकिस्तान के साथ टकराव के किसी भी मोड़ पर भारत का इशारा संघर्ष बढ़ाने का नहीं था। सकारात्मक की ओर से खुली छूट होने के बावजूद भारतीय सेना की कार्यालय सटीक, सतुरित और गैर-गली थी। भारत इस लक्ष्य के साथ उत्तरा था कि सीमा पार मौजूद आतंकी दिक्कानों को ध्वस्त करके आतंक के आकाओं को सबक सिखाना है।

सरकार की ओर से खुली छूट होने के बावजूद भारतीय सेना की कार्यालय सटीक, सतुरित और गैर-उक्सावे गली थी। भारत इस लक्ष्य के साथ उत्तरा था कि सीमा पार मौजूद आतंकी दिक्कानों को ध्वस्त करके आतंक के आकाओं को सबक सिखाना है।

आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करके आतंक के आकाओं को सबक सिखाना है। यह संघर्षित रुख दिखाता है कि भारत बुद्ध नहीं चाहता लेकिन अपर पाकिस्तान कोई दुसरा रास्ता किया, तो उसे कराया जावाब देने में संकेत नहीं करेगा।

सराहना होनी चाहिए: पीएम ने डिफेंस सेक्टर में सुधार से लेकर दुनिया में भारतीय हथियारों की बढ़ती मांग तक पर सिलसिलावाला ढंग से बात रखी। उहोंने हर उस पहल को छुआ, जिसे लेकर हाल में बहस बढ़ी है। अमरीका पर राजनीति में मुद्रे नारों के शोर में खो जाते हैं, लेकिन पीएम के भाषण के दौरान सत्ता पक्ष और विषय के जिस तरह का जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार दिखाया उसकी सराहना की जानी चाहिए।

बात आते बढ़े: मानसुन सरकार का कानी बढ़ हांगमे की बेट चढ़ चुका है। विषय की मांग थी कि ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा हो। लंबी चर्चा हुई, विषय के आकामक तेवर दिखाये हुए अपने सारे संदेश और सतावल सदम में रखे, सरकार ने अपने ढंग से उनके जवाब भी दे दिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि अब सत्र के बचे हुए हिस्से में संसद में हांगमा, शोरगुल और वाँचकांट नहीं बर्तक स्वस्थ, साथक चर्चा और सवाल-जवाब देखने को मिलेंग।

### अभिमत आजाद सिपाही

संगीतकार नौशाद ने फ़िल्म 'पहले आप' (1944) का गाना 'हिंदुस्तान के हम हैं' गीत सैनिकों पर फ़िल्माया। इकॉर्डिंग के समय देशमंत्री गाने में पूरी हुई तो गोहम्मद रफी के पैरों से खून बह रहा था। फ़िल्म में आपना पहला हिंदी गाना इकॉर्ड करने की खुशी में उनके घेरे में चमक थी। इसके बाद संगीतकार नौशाद और रफी की जीड़ी दशकों चली।

### 'तुम मुझे यू भूला न पाओगे'



डॉ मोहम्मद जाकिर

अगर किसी एक गायक का नाम लिया जाये जिसकी आवाज में अल्हड़पन, प्रेम, हुस्न की तराफ़, शरारतें, व्यथा, वैराग्य, शास्त्रीय संगीत, अध्यात्म, भजन, लोकगीत, कवाली और गजल सब कुछ समाहित हो जाय तो बेशक वह नाम महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी का होगा। मोहम्मद रफी के तरकश में सभी तीर मौजूद थे। मोहम्मद रफी का कोई सानी नहीं था। इसीलिए मोहम्मद रफी, जिनका 45 साल पहले 31 जुलाई को निधन हो गया था, आज भी हमारी स्मृति में बसे हुए हैं।

मोहम्मद रफी का जन्म 24 दिसंबर, 1924 को बिट्टिशा भारत के संयुक्त पंजाब प्रांत के कोटला सुल्तान सिंह के गांव में हुआ था। एक फ़कीर रोज एक नया पंजाबी गीत गाता उनके गांव आया करता था। एक बच्चा उनके पांठे-पीछे गाना सुनते जाता था। उस बच्चे की उम्र 8-9 वर्ष की रही होगी। लौं का बच्चा गाना लोगों को सुनाता। एक दिन उस फ़कीर ने बच्चे को गोद में उठा लिया। कहा - 'जा बच्चा तू एक दिन बहुत बड़ा आदमी बनेगा। दुनिया तेरे नाम की दीवानी होगी।'

बच्चे को एक फ़कीर की दुआ लगी और वही बच्चा आगे चलकर स्वर स्प्राइट मोहम्मद रफी के नाम से पहचाना गया।

कोटला से लाहौर आये। इनके फ़कीर को कई उस्तादों - जीवन लाल मद्द, उस्ताद अब्दुल वहाद खान, उस्ताद बड़े गुलाम अली खान ने निखारा। लाहौर में केल सहगल के प्रोग्राम में बिजली चले जाने पर उन्हें 13 साल की उम्र में पहला स्टेज पर गाने का मौका मिला। दर्शकों में गाना सुनने के एल सहगल भी बैठे थे। उन्होंने कहा था, ये लड़का एक दिन बड़ा गायक बनेगा। संगीत निर्देशक श्याम सुन्दर ने



उनसे पंजाबी फ़िल्म 'गुल बलोच' के लिए पहला गाना 'सेनिये नी, हीरिये नी' गया।

एक दिन और प्रोड्यूसर नजीर ने मोहम्मद रफी को 100 रुपए और एक एक्टर भेजकर वर्ष 1944 में बॉम्बे (मुंबई) बुलाया।

संगीतकार नौशाद ने फ़िल्म 'पहले आप' (1944) का गाना 'हिंदुस्तान के हम हैं' गीत सैनिकों पर फ़िल्माया। रिकॉर्डिंग के समय देशभक्ति गाने में साउंड इंफ्रेक्ट देने के लिए गायकों को मिलिट्री वालों के भारी जूते पहनाये गये। रिकॉर्डिंग पूरी हुई तो मोहम्मद रफी को बहुमुखी प्रतिभा के ध्वनि की आवाज जावान, जो एक डेन्जोरा एवं खलनायक, भगवान, जागृत और महामूर्ति देने वाले नाम था। जब रिकॉर्डिंग पूरी हुई तो मोहम्मद रफी के पैरों से खून बह रहा था। फ़िल्म भी अपना पहला हिंदी गाना

रिकॉर्ड करने की खुशी में उनके चेहरे में चमक थी। इसके बाद संगीतकार नौशाद और रफी की जीड़ी दशकों चली।

उहोंने अपनी वक्त के सभी बड़े संगीतकारों परंपराएँ ले रखी। रामामृत रुद्री, बरसात देशांव, नौशाद, शंकर जय किशन, ओपी नैयर, एसडी बर्मन, जयदेव, लक्ष्मीनारायण, मदन मोहन, सलिल चौधरी, रवि, रमलाल, अनिल विश्वास आदि के साथ काम किये। रफी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। इनकी असंघर्षित आवाज की रेंज को देखते हुए संगीतकारों ने दिलोंप कुमार, देव आनंद, गुरु दत्त, धैर्मन्द, संजीव कुमार, मोज रुद्र, राज कपूर, राजेश खना, शशि कपूर, शमी कपूर, ऋषि कपूर, जिंद्र, राज कुमार, राजेंद्र, राज कुमार, राजेंद्र

कुमार जैसे विविध सितारों के लिए गाने गये। पार्श्व गायक किशोर कुमार, जो एक्टिंग भी करते थे, के लिए भी रफी ने फ़िल्म 'शरारत' - अजब है वास्तव तेरी, 'रामिंगी' - मन मोहा बांवार में गाना गये।

प्राण, अमजद खन और डेनी डेन्जोरा जैसे खलनायक, भगवान, जागृत और महामूर्ति देने वाले नामों ने अपने आवाजों को जारी किया। रफी बहुमुखी प्रतिभा की धनी थी। इनकी असंघर्षित आवाज की रेंज को देखते हुए संगीतकारों ने दिलोंप कुमार, देव आनंद, गुरु दत्त, धैर्मन्द, संजीव कुमार, मोज रुद्र, राज कपूर, राजेश खना, शशि कपूर, शमी कपूर, ऋषि कपूर, जिंद्र, राज कुमार, राजेंद्र

मोहम्मद रफी 1973 में हज करने गये। मब्रुका में उहोंने अजान देना चाहा लेकिन वहां के प्रबंधन कमिटी ने अनुमति नहीं दी। जब कमिटी को पाया चला कर अवैध पार्किंग के लिए गाना गया। रफी बहुमुखी प्रतिभा की धनी थी। इनकी असंघर्षित आवाज की रेंज को देखते हुए संगीतकारों ने दिलोंप कुमार, देव आनंद, गुरु दत्त, धैर्मन्द, संजीव कुमार, मोज रुद्र, राज कपूर, राजेश खना, शशि कपूर, शमी कपूर, ऋषि कपूर, जिंद्र, राज कुमार, राजेंद्र

मोहम्मद रफी 1973 में हज करने गये। मब्रुका में उहोंने अजान देना चाहा लेकिन वहां के प्रबंधन कमिटी ने अनुमति नहीं दी। जब कमिटी को पाया चला कर अवैध पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लेते हुए टाटा स्टील प्रबंधन, जिला प्रशासन और ट्रैक्टर पुलिस से तक्ताल बात की थी। परिणामस्वरूप 24 से 30 जुलाई तक क्षेत्र में प्रशासनिक वरानी बढ़ाई गयी। जिससे अवैध पार्किंग पूरी तरह से मेल खाती, मानो वही की वे मशहुर गायक हैं, तब उन्हें अजान देने का अवसर मिला। सुरुली

घाटशिला (आजाद सिपाही)। नियोजनालय सह मठड़ कैरियर सेंटर घाटशिला में एक दिवसीय रोजगार मेला भी आयोजित किया गया। मेला में विभिन्न पदों के लिए ट्रैक्टरों के मुकाबले की रेसिंग और अन्य आवैधियों ने भाग लिया। इस दौरान 88 अध्यर्थियों को नियोजित द्वारा 100 अध्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया। जिसमें अध्यर्थियों का आवाज सुनाया गया। जबकि 401 अध्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया। अध्यर्थियों में एक दिवसीय रोजगार के अंतर्गत घाटशिला की रोडों पर चालना और ट्रैक्टरों के द्वारा चालना आदि आयोजित हुए। जिसमें युवाओं को रोजगार और कैरियर के अंतर





# पलामू-संथाल

## नसों की लापरवाही से गर्भ में ही बच्चे की मौत, महिला की हालत भी गंभीर परिजनों ने डीसी एवं सिविल सर्जन को लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता



### जांच के बाद होगी कार्रवाई : विकित्सा प्रभारी

उधर, विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विकित्सा प्रभारी डॉ राजेन्द्र कुमार ने कहा कि पीड़ित महिला के परिजनों ने पलामू डीसी समर्पण एस और आरोपी आरोप लगाया गया है। इसकी गहनता से जांच होगी। जांच में आरोप सही पाया गया तो नसों पर कठी कार्रवाई की जायेगी।

कला निवासी रंजीत विश्वकर्मा ने कला की पत्नी माया देवी को प्रसव पोड़ा कर्तव्यांक की मांग की है। जानकारी के बाद 25 जुलाई की शाम सात

सब कुछ ठीक है। दो घंटे में निजी विलनिक में ले जाया गया। माया देवी के सम्मुख श्याम बिहारी विश्वकर्मा का आरोप है कि प्रसव जल्द करने के चक्रवर्त में नर्स माया के पेट पर चढ़ गयी। दर्द से चीखने पर, उसे कई थप्पड़ भी माया गया। उसकी चीख-पुकार सुनकर पीड़िता के साथ गयी महिलाएं प्रसव वार्ड में पहुंची और, नसों की प्रताङ्गना अपनी अंगों से देखी। बाहर निकलकर उन लोगों को इसकी जानकारी दी। तब तक माया देवी अचेत हो चुकी थी। आनन्द-फानन में उसे एक परिजनों को आश्वस्त किया कि





# रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप 8.8 तीव्रता, 5 मीटर ऊंची सुनामी उठी

अमेरिका के अलास्का-हवाई-कैलिफोर्निया तक लहरें पहुंची

एजेंसी

टोक्यो। रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय सम्यानुसार बुधवार सुबह 4:54 बजे आया।

रॉयटर्स के मुताबिक कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आ गयी है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10.3 किलोमीटर की गहराई में पहुंचा है।

कामचटका के गवर्नर व्हालिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का



भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है।

जापान के एनएचके टेलीविजन के मुताबिक, देश के पूर्वी तट के पास एक फुट ऊंची

हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गयी हैं।

पूरे प्रशांत महासागर में सुनामी का खतरा फैला : जापान के उत्तरी तट पर 40 सेंटीमीटर ऊंची लहरें आ चुकी हैं। टोक्यो में करीब 20 लाख लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया है। जापान ने कहा है कि सुनामी की लहरें एक से ज्यादा दिन तक आ सकती हैं। अमेरिका के अलास्का-हवाई में सुनामी की पहली लहर टकराई। कैलिफोर्निया में लोगों को समंदर के निरासे से दूर रहने के लिए कहा गया है। चीन, फिलिपींस, इंडोनेशिया, चीनी और अमेरिका का रूस यूक्रेन में दिया रोक। इन सब वजहों से अब अमेरिका ने फैसला किया है कि भारत से अनेक वाले सामानों पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगायेगा। इसके अलावा पैनलटी भी लगाई जायगी।

## ट्रंप ने भारत पर 25% टैरिफ लगाने का एलान किया, 1 अगस्त से लागू

ट्रंप ने कहा- भारत रूप से हथियार-तेल खीटीद हा, इसलिए जुर्माना जी वसूलेंगे एजेंसी



कंपनियों को व्यापार करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज भी अपने ज्यादातर हथियार, रूप से खीटदता है। इन्होंने 24 घंटे में दूसरी बार भारत पर 25% टैरिफ लगाने का एलान किया। उन्होंने युरुका को सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत, लेकिन जिलों कुछ सालों में हमने उसके साथ कम व्यापार किया है कि भारत से अनेक वाले ज्यादा हैं।

ट्रंप ने कहा- भारत की कई नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी

**अवसर :-**

बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ अपने जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत करें

Narayan Biruli  
(Retired Government Officer)  
Mob.: 7909007075

Vikram Singh  
Mob.: 9110933604

- असीमित आय के अवसर का आनंद ने घर बैठ कराया
- खुद के मानिक बने
- प्रारंभिक पूरी निवेदा जून्या
- कंपनी के सम्मलोचन में भाग लेने के लिए
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को अवसर
- अपनी सुविधा के अनुसार काम करें
- सामाजिक पहचान

आयु : 25-65 वर्ष  
न्यूनतम विवाह प्रमाण : मैट्रिक और ड्यूपर

Vikram Singh  
Mob.: 9110933604

## इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लांच

● धने जंगल और अधिके में देखने की क्षमता, 97 मिनट में धरती का घटकर पूरा करेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीहरिकोटा। अब तक के सबसे महंगे और सबसे पावरफुल अर्थ अॅवर्कॉर्स सैटेलाइट निसार को आज यात्रा, बुधवार 30 जूलाई को लॉन्च किया गया। इस मिशन की अवधि 5 साल है। इस मिशन में 97 मिनट में पूर्वी का एक चक्कर कर लगाकर यह पूर्वी की लगभग हर इंच जमीन को मैप कर लेगा। इसके पास बालों, धने जंगल, धूंप और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतह पर बहुत छोटे बदलावों को भी देख सकता है। निसार मिशन का मुख्य मकसद है धरती और उसके पर्यावरण को करीब से ऊंचाई पर सूरज के साथ तालिमेल।

## पुंछ में दो आतंकी ढेर

हथियार और गोला-बारूद बयान

आजाद सिपाही संवाददाता

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लान ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास चुस्पैट की कोशिश कर रहे थे और आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। वे रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की अंतर्धान देंगे।

रात देवावर सेवकों के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3

हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा

प्रयावरण को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्षीयों को मूलांच, बाँझ और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। वे रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की अंतर्धान देंगे।

रात देवावर सेवकों के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3

हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा

प्रयावरण को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्षीयों को मूलांच, बाँझ और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। वे रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की अंतर्धान देंगे।

रात देवावर सेवकों के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3

हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा

प्रयावरण को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्षीयों को मूलांच, बाँझ और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। वे रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की अंतर्धान देंगे।

रात देवावर सेवकों के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3

हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा

प्रयावरण को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्षीयों को मूलांच, बाँझ और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। वे रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की अंतर्धान देंगे।

रात देवावर सेवकों के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3

हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा

प्रयावरण को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्षीयों को मूलांच, बाँझ और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। वे रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की अंतर्धान देंगे।

रात देवावर सेवकों के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ।

इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3

हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा

प्रयावरण को सेना ने मार गिराया। अंतरिक्षीयों को मूलांच, बाँझ और बालों तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ज्ञान 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ-16 रॉकेट क